

槐乡 幽梦

吴万锁 马希斌 编著

槐乡幽默

吴万锁 马希斌 编著

农村读物出版社

一九八九年·北京

槐乡幽默

吴万锁 马希斌 编著

责任编辑 潘启贤

•
农村读物出版社 出版
宝坻县印刷厂 印刷
新华书店北京发行所 发行

•
787×1092毫米1/32 5.25印张 111千字
1989年12月第1版 1989年12月北京第1次印刷

印数：1—10300

ISBN 7-5048-0444-4/S·17

定价：1.60元

序

幽默是英文humour的音译，它的意思是有趣、可笑而意味深长。它是一种独创性的艺术，属于文艺美学的范畴。

古往今来，创作幽默的艺术家和研究幽默的理论家，对幽默的见解众说纷纭，莫衷一是。十七世纪的英国人说它出自癖性，十八世纪的英国人又说它是机智的姊妹。十九世纪以后，俄国人说它是讽刺的亲人，美国人又说它是笑的雅名。这说明，幽默在历史发展的过程中，不断寻求自己的外壳，又不断褪壳露出新的容貌，渐进成现今的幽默小品、幽默故事。

一说到幽默，不少的人认为就是笑话。其实幽默与笑话有交叉、有迭合，也有区别。好的笑话中有幽默的成份，幽默的故事中也有引人发笑的地方，但从笑的程度上看，一般笑话的效果是引人“哄笑”，而幽默的效果是引人“会心的微笑”。还有的人认为幽默就是讽刺。当然，不少以幽默见长的讽刺大师，他们的讽刺充满着幽默的笔调；他们的幽默也往往指向讽刺。但幽默与讽刺也是有区别的。讽刺是社会性的，幽默是哲学性的。讽刺人世，与被讽刺对象站在同一水准上，挥戈相向，以击伤对手为乐。幽默却源于精神上的巨大优势，居高临下，无意伤人，仅以内在的优越感自娱。讽刺针对的是具体的人和事，幽默则是对人性本身必不可免的弱点，发出宽容的也是善意的微笑。在语言艺术上，讽刺提问题一目了然，毫不含糊，尖锐泼辣，不留余

地，语言重在理性是非处。幽默提问题则半遮半露，温和含蓄，广留余地，语言重在乖离人性处。从效果上看，讽刺一般使人紧张，幽默一般使人轻松。

幽默与滑稽也不是一回事，两者虽然都能引人发笑，但引人发笑的方法是不一样的。幽默是智慧的闪光，是高尚情操和完美人格的外现，能博聪明的人一笑。而滑稽是轻薄的逗乐，用愚笨可笑的举止逗人哈哈。爱智慧的人，往往会情不自禁地欣赏敌手的聪明的议论，即使听到骂自己的俏皮话，也会宽怀一笑。那种毫无幽默感的人，常常把隐蔽的讽刺听作夸奖，又把善意的玩笑听作辱骂。

幽默一词虽然来自外文音译，但在我们这样一个有几千年历史的文明古国，对联、谜语、戏曲、电影、小说、故事等文学作品里，早就所在多有，而在劳动人民口头及日常生活中，极有情趣的幽默，更可以说是比比皆是。我们洪洞人民素有“燕赵侠义”之风，但喜爱幽默，富于幽默感的人，也大有人在。为了使幽默这朵小花，为人们的生活增添乐趣，吴万锁、马希斌两同志，收集、整理、创作了三百多篇在当地流传的幽默和幽默故事。这些幽默思想机巧，情趣健康，活泼风趣，以俗见长，散发着浓厚的生活气息。读后往往使人忍不住发出笑来，增添一份生活的欢乐，而当收斂住笑后，掩卷沉思，又会领悟到其中蕴含的智慧和哲理，给人以力量。因此，值得一读。

王兆善

1989年夏

目 次

| | |
|-----------|-------|
| 店女难住张瑞静 | (1) |
| 长老妙联骂汉奸 | (1) |
| 韩复榘的训话 | (2) |
| 李鸿章的“逐客方” | (2) |
| 晓岚智答乾隆帝 | (3) |
| 解缙作诗谏元章 | (3) |
| 杜甫促成樵夫诗 | (3) |
| 奇 想 | (4) |
| 寻 驴 | (4) |
| 尝 汤 | (5) |
| 尝 梨 | (5) |
| 找 人 | (5) |
| 藏 书 | (6) |
| 拍电报 | (6) |
| 做裤子 | (7) |
| 买玩具 | (7) |
| 抬姑娘 | (7) |
| 爱迪生 | (8) |
| 打老婆 | (8) |
| 双挨打 | (9) |
| 情侣对话 | (9) |

| | |
|----------|--------|
| 不是近亲 | (9) |
| 钱是姻缘 | (10) |
| 脸蛋最贵 | (10) |
| 请假结婚 | (10) |
| 难喝死了 | (11) |
| 牺牲结婚 | (11) |
| 家中吃食 | (11) |
| 历史成绩 | (12) |
| 挑东西离婚 | (12) |
| 美女和盲人 | (12) |
| 迟一点回家 | (13) |
| 最大的玩笑 | (13) |
| “崇高”的爱情 | (13) |
| “本儿”拚回来了 | (14) |
| 统计学家的失误 | (14) |
| 爸爸和我一样大 | (14) |
| 骑马观花订终身 | (15) |
| 公主相驸马 | (15) |
| 猎 狼 | (17) |
| 被 撞 | (18) |
| 晒水份 | (18) |
| 吃冤家 | (19) |
| 捉麻雀 | (19) |
| 对话录 | (19) |
| 眉眼象 | (20) |
| 没良心 | (20) |

| | |
|----------|--------|
| 找良心 | (20) |
| 冒牌货 | (21) |
| 三句半 | (21) |
| 增和桥 | (22) |
| 不吃你 | (23) |
| 现在难说 | (24) |
| 胖与瘦 | (24) |
| 牛不出头 | (25) |
| 自做聪明 | (25) |
| 数字对联 | (25) |
| 八王配四鬼 | (27) |
| 添字讥贪官 | (27) |
| 要斗赢的鸡 | (28) |
| 精明对精明 | (28) |
| 县官与秀才 | (28) |
| 开中药方子 | (29) |
| 爷爷在家生孩子哩 | (29) |
| 吸烟的“好处” | (30) |
| 要候车室干吗 | (30) |
| 病的不是时候 | (31) |
| 新娘智改婚联 | (31) |
| 给小偷做衣服 | (31) |
| 这是你的耳朵吗 | (32) |
| 造反头头的会议 | (32) |
| 标点奇用 | (33) |

(一) 一张字据

(二) 一张逐客令

(三) 一条标语

(四) 一台彩电

巧治县太爷..... (36)

(一) 耍眉不要胡

(二) 飞刀剃头师

(三) 头顶顶砚台

(四) 智娶县官女

三女婿对诗..... (39)

(一) 商人对二举

(二) 贫汉对富豪

(三) 受苦人对武士木匠

(四) 庄稼汉对读书人买卖人

长工戏地主..... (41)

(一) 追乌鸭

(二) 吃供品

(三) 打牲口上房顶

(四) 祝寿酒

(五) 朽骨水

黑县官判案..... (46)

塑金鼠银牛..... (47)

茅厕官捞油水..... (47)

十驮子莲菜..... (48)

吕洞宾对财主..... (48)

死财迷..... (48)

铜狮子..... (49)

| | |
|---------|--------|
| 天下第一吝 | (49) |
| 看汾酒 | (50) |
| 买茅台 | (51) |
| 吃点心 | (51) |
| 该咱吃 | (52) |
| 吸蹭烟 | (52) |
| 盆中鱼 | (53) |
| 九块钱 | (53) |
| 喝大叶茶 | (53) |
| 精打细算 | (53) |
| 有光必沾 | (54) |
| 救火准备 | (54) |
| 修炼喝风法 | (55) |
| 拜师学懒 | (55) |
| 被饿死的人 | (56) |
| 今天要起早点哩 | (56) |
| 嘴都张不开啦 | (57) |
| 垫碟面 | (57) |
| 说胡话 | (58) |
| 住旅店 | (58) |
| 在强盗面前 | (59) |
| 赖皮扛碌碡 | (59) |
| 靠应声虫吃饭 | (59) |
| 父子分猪 | (60) |
| 哑谜会 | (60) |
| 省油的妙法 | (61) |

| | |
|--------|--------|
| 倒车 | (61) |
| 藏馓 | (62) |
| 订书 | (63) |
| 缺铁 | (63) |
| 盘点 | (63) |
| 哭象 | (64) |
| 不热 | (64) |
| 肉呢 | (64) |
| 买车锁 | (65) |
| 打镰刀 | (65) |
| 看树苗 | (65) |
| 寻树叉 | (66) |
| 去吧皮 | (66) |
| 《旅游》书 | (67) |
| 南辕北辙 | (67) |
| 天气预报 | (67) |
| 吊牛上楼 | (68) |
| 买棉毛衫 | (68) |
| 憨子买鞋 | (68) |
| 傻子卖布 | (69) |
| 斜才造句 | (69) |
| 背唱的人 | (70) |
| 健忘的人 | (70) |
| 摆头取凉 | (71) |
| “不管什么” | (71) |
| 骡马成群 | (72) |

| | |
|-----------|--------|
| 罚吃辣椒 | (73) |
| 夜郎自大 | (73) |
| 碾下去了 | (73) |
| 头巾吃豆腐 | (74) |
| 去问我爸吧 | (74) |
| 会说日本话 | (75) |
| 你我都保险 | (75) |
| “专政”与“上吊” | (75) |
| 看自行车比赛 | (76) |
| 洋汉奸狗警察 | (76) |
| 这水也是热的 | (77) |
| 一年等于几个月 | (77) |
| 你知道我是谁吗 | (77) |
| 欢迎你下次再来 | (78) |
| 还是把我杀了吧 | (78) |
| 单 方 | (80) |
| 治 痛 | (81) |
| 误 诊 | (81) |
| 外国病 | (82) |
| 医锅锅 | (82) |
| 结巴医生 | (82) |
| 标本医生 | (83) |
| 损失要由你补 | (84) |
| 扎一针一块钱 | (85) |
| 万百千 | (85) |
| 作八股 | (86) |

| | |
|----------|--------|
| 为何早两天 | (87) |
| 为何打四分 | (87) |
| 请秀才选令尊 | (88) |
| 三个秀才争一文钱 | (88) |
| 先生放狗屁 | (89) |
| 老秀才写呈子 | (89) |
| 爱拽文的秀才 | (90) |
| 秀才村请教书先生 | (91) |
| 送 钟 | (95) |
| 盗 羊 | (96) |
| 报 案 | (96) |
| 祝 寿 | (96) |
| 香 肠 | (97) |
| 漱 口 | (97) |
| 挣 钱 | (97) |
| 顶 替 | (98) |
| 求 雨 | (98) |
| 杂 种 | (99) |
| 改名字 | (100) |
| 漏来了 | (100) |
| 有余地 | (101) |
| 母教子 | (101) |
| 问贵姓 | (101) |
| 都怨我 | (102) |
| 这怎么行 | (102) |
| 两个案件 | (103) |

| | |
|-----------|-------|
| 两头领奖 | (103) |
| 钢笔识字 | (103) |
| 报上三十天 | (104) |
| 它在仰泳 | (104) |
| 因病得宠 | (104) |
| 包有其主 | (105) |
| 提包还在 | (105) |
| “礼”拎在手 | (105) |
| “进口”盘桃 | (106) |
| 到药店去 | (106) |
| 借一点儿 | (106) |
| 相互罚款 | (107) |
| 蚂蚁排字 | (107) |
| 驴扇筐子 | (108) |
| 王二巧智 | (108) |
| 秀才与和尚 | (110) |
| 推销测谎器 | (110) |
| 美女易得病 | (111) |
| 难管的“干事” | (111) |
| 玩童戏巫婆 | (111) |
| “赔猫”与“赔勺” | (112) |
| 好得了是个梦吧 | (113) |
| 你的底儿我知道 | (113) |
| 是谁发明了火药 | (114) |
| 七·二是啥节气 | (114) |
| 三人争睡热炕头 | (114) |

| | |
|---------------|-------|
| 三人争不能吃醋····· | (115) |
| 三个瞎子争当师傅····· | (115) |
| 算命先生丢卦签····· | (116) |
| 喝汤····· | (116) |
| 借宿····· | (116) |
| 称呼····· | (117) |
| 老“疼”····· | (117) |
| 不忍心····· | (118) |
| 丢钱包····· | (118) |
| 吃羊肉····· | (118) |
| 送点心····· | (119) |
| 取名字····· | (119) |
| 病猪肉····· | (120) |
| 卖“踢头儿”····· | (120) |
| 事先警告····· | (121) |
| 早有后路····· | (121) |
| 插队知青····· | (122) |
| 探讨问题····· | (122) |
| 上班理发····· | (122) |
| “老左”受审····· | (123) |
| 狂犬咬后····· | (123) |
| 安家落户····· | (123) |
| 吹牛上税····· | (124) |
| 一“虎”镇千鼠····· | (125) |
| 称呼的变换····· | (125) |
| 不要取外号····· | (125) |

| | |
|----------------|-------|
| 王三儿学剃头····· | (126) |
| 幸亏是假药····· | (126) |
| 非压上不可····· | (127) |
| 此处倒垃圾····· | (127) |
| 都轻松点儿····· | (128) |
| 王老二看病····· | (128) |
| 曹雪芹是女的····· | (129) |
| 这能说轻松吗····· | (130) |
| 你再屙一堆吧····· | (130) |
| 手该往哪儿放····· | (131) |
| 乔胖子雇长工····· | (131) |
| 开我父亲的名字····· | (133) |
| 去公安局怎么走····· | (133) |
| 鞋偏一点儿怕啥····· | (134) |
| 早已锻炼出来了····· | (134) |
| 片名与人物肖像····· | (134) |
| 今天要对顾客热情些····· | (135) |
| 不愿叫拍马屁的县官····· | (135) |
| 歇后语集锦····· | (136) |
| 编 后····· | (151) |

店女难住张瑞静

清末 赵城出了个名进士，叫做张瑞静。一天，他随同李、刘二位进士游春，饿了来到一个饭店。一进店门，店女就将三位来客引到一间清静高雅的堂屋，热情招呼之际，随口相问：“三位先生贵姓？”张瑞静随口答道：“弓长木子卯金刀。”女子一听，马上口称：“张、李、刘先生请坐，用什么饭，待小女子做来。”三位进士听了这女子的答话，十分惊奇，想不到小店民女竟能有如此才华。李进士信口而问：“小姐尊姓？”这女子答：“二斗二升、三斗三升、四斗四升、再加一升。”三进士听了，一时不知是啥。因为扫了面子，趁店女走后，他们赶忙转到别的饭店。后来经查问，才知这女子姓“党”。原来在赵城土语中“党”与“石”（量词）同音。

长老妙联骂汉奸

大汉奸汪精卫，当南京国民政府主席那年，正56岁。为了拉拢各方政客，扩大势力，他提前张罗60大寿。当时的南京警察厅长，为巴结汪精卫，专程去南京灵谷寺，求精书法、工诗赋的灵谷长老书联祝寿。这灵谷长老，虽身入佛门，但爱国之心不泯。他对汪精卫的投敌叛国有刻骨仇恨，把满腔悲愤，溶于笔墨，巧书妙联斥汪。联云：“昔具盖世之德，今有罕见之才。”此联妙在“谐音别解”，字面之音美不待言，但快读之音却是：“昔具该死之德，今有汉奸之